

दैनिक भारतीय बस्ती



भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 107 रविवार 8 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

रामपथ पर साकार हुई रामायण : दीपोत्सव में उमड़ी आस्था, अयोध्या में जीवन्त हुआ त्रेतायुग











संवाददाता–**अयोध्या।** दीपावली के पावन अवसर पर आयोजित दीपोत्सव में त्रेतायुग की परंपरा का सजीव मंचन देखने को मिला। भगवान श्री राम, सीता लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान के स्वरुप पुष्पक विमान रूपी हेलीकॉप्टर से रामकथा पार्क के निकट बने अस्थायी हेलीपैड पर उतरे।

यहां गुरु वशिष्ठ की भूमिका निभा रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ भगवान के स्वरूपों की भव्य अगवानी की। इसके बाद भगवान श्रीसीताराम के स्वरूप रथ पर सवार होकर रामकथा पार्क पहुँचे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रियों के साथ स्वयं रथ खींचकर भगवान का स्वागत किया, जिसका मनमोहक दृश्य देख श्रद्धालु भावविभोर हो गए। त्रेतायुग की इस परंपरा के जीवंत प्रदर्शन ने एक बार फिर सभी को रामराज्य की स्मृतियों से जोड़ दिया।

रामपथ पर रामायण साकार हो उठी। ढोल–नगाड़ों की गूंज, लोक कलाकारों की थिरकन और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच जब रथों पर सजी झांकियां आगे बढ़ीं तो लगा मानो त्रेतायुग अयोध्या की धरती पर उतर आया हो। कहीं प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता के दिव्य स्वरूप, कहीं गदा उठाए बजरंगबली का पराक्रम। रामायण के प्रसंगों का सजीव मंचन श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहा था। शोभायात्रा में महिला कलाकार कंधों पर ढोल रखकर थाप दे रही थीं। नगाड़ों और ताशों की गूंज के बीच कलाकारों के करतब और विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य रामपथ को उत्सव के विराट मंच में बदल रहे थे। दर्शकों की आंखों में श्रद्धा, चेहरों पर उल्लास और वातावरण में रामनाम की गूंज। दसवें दीपोत्सव की शोभायात्रा में आस्था, संस्कृति और परंपरा का ऐसा संगम दिखाई दिया, जिसने अयोध्या की भव्यता को एक नया आयाम दिया।

साकेत महाविद्यालय से पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। करीब तीन किलोमीटर का सफर तय कर शोभायात्रा रामकथा पार्क पहुंची। इस बार शोभायात्रा में 21 भव्य झांकियां शामिल हैं। इनमें 14 झांकियां योगी सरकार की उपलब्धियों और सात झांकियां रामायण के सातों कांडों पर आधारित हैं। बालकांड में रामजन्म और बाल लीलाओं से लेकर अयोध्याकांड में वनगमन, अरण्यकांड में वनवास के प्रसंग, किष्किन्धाकांड में सुग्रीव और हनुमान से मिलन, सुंदरकांड में बजरंगबली का पराक्रम, लंकाकांड में रावण के साथ युद्ध और उत्तरकांड की कथा को दृश्य रूप में प्रस्तुत किया गया। एक के बाद एक आगे बढ़ती झांकियां दर्शकों को रामायण की संपूर्ण गाथा का दर्शन करा रही थीं।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

दैनिक भारतीय बस्ती के पाठको, शुभेच्छुओं, विज्ञापन–दाताओं, वितरकों को प्रकाश पर्व दीपावली की हार्दिक मंगलकामना।

–सम्पादक

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

–**भारतीय बस्ती संवाददाता**–

बस्ती । छावनी थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह हाईवे पर सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। दिवाली की खरीदारी कर घर लौट रहे युवक की बाइक रामरेखा पुल के पास विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन से टकरा गई।

मृतक की पहचान 30 वर्षीय दिलीप चौहान निवासी सकरवाल, थाना छावनी के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, दिलीप शनिवार सुबह करीब 9 बजे छावनी कस्बे में दिवाली की खरीदारी करने गया था। उसने त्योहार के लिए सामान और मिठाई खरीदी। इसके बाद बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान हाईवे पर प्रकाश ढाबे के पास रामरेखा पुल पर विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दिलीप सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची एनएचएआई की एंबुलेंस से घायल दिलीप को सीएचसी हरैया ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

छावनी थाना प्रभारी निरीक्षक राणा डीपी सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन का भी पता लगाया जा रहा है।

दीपावली को लेकर सरकारी अस्पतालों में विशेष व्यवस्था

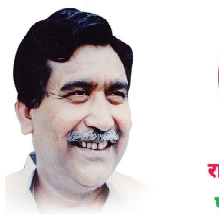
–**भारतीय बस्ती संवाददाता**–

बस्ती । दीपावली को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की ओर व्यापक त्यारियां की गई हैं। जिला अस्पताल छह व जिले की सभी सीएचसी पर 14 बेड बर्न केस के लिए अरक्षित करने के लिए निर्देशित किया गया है। चिकित्सकों की तैनाती की गई है। बर्न केस आने पर सबसे पहले सीएचसी पर प्राथमिक उपचार किया जाएगा। इसके बाद मरीज को हॉयर सेंटर के लिए रेफर किया जाएगा।

सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने बताया कि अस्पतालों में इलाज की व्यवस्था के साथ ही तीन दिनों के लिए अस्पतालों को अलर्ट पर रखा जाएगा। चिकित्सकों को निर्देशित किया गया है कि वह अपना कार्यस्थल न छोड़ें। आवश्यकता पर बुलाए जाने पर सहयोग के लिए उपलब्ध रहें। एंबुलेंस को भी सक्रिय रखने के लिए कहा गया है। दीपावली के अवसर पर पटाखे की दुकानें लगाई जाती हैं, इसके अलावा बड़ी संख्या में पटाखे धनतेरस से लेकर बड़ी दीपावली तक फोड़े जाते हैं।

सीएमओ कार्यालय में कंट्रोल रूम को सक्रिय किया गया है। यहां पर सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक चिकित्सक व अन्य स्टॉफ की ड्यूटी लगाई गई है। कंट्रोल रूम में चौबीस घंटे स्टॉफ की ड्यूटी रहेगी। किसी भी आकस्मिक घटना, सड़क दुर्घटना, अग्निकांड, पटाखों से जलने अथवा अन्य आपातकालीन स्थिति की सूचना प्राप्त होने की दशा में कंट्रोल रूम की टीम सक्रिय हो जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी घटना की सूचना सबसे पहले 108 नंबर पर अवश्य दें।





समाजवादी पार्टी
बस्ती
राम प्रसाद चौधरी
पूर्व कैबिनेट मंत्री
सांसद बस्ती लोकसभा 61

दीपावली को लेकर पुलिस प्रशासन एलर्ट



–**भारतीय बस्ती संवाददाता**–

बस्ती। शहर में धनतेरस के त्योहार पर खरीदारी करने के लिए प्रमुख बाजारों में लोगों की खासी भीड़ उमड़ी। धनतेरस से लेकर दीपावली तक के लिए बाजारों में बढ़ने वाली भीड़, वाहनों का दबाव और जाम की समस्या से निपटने के लिए विशेष यातायात योजना बनाई गई है। प्रमुख बाजारों, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई है, ताकि लोगों को जाम से राहत मिले और त्योहार शांति व सुरक्षा के साथ मनाया जा सके। धनतेरस से ही शहर में रूट डायवर्जन लागू कर दिया गया है। शहर में कुल 10 स्थानों से रूट डायवर्जन का प्रबंध किया गया है। खासतौर से गांधीनगर मार्ग के लिए कम्पनी बाग और रोडवेज से प्रवेश के लिए वाहनों का खासा दबाव शुक्रवार को देखने को मिला। वाहनों को डायवर्ट कर वापस भेजने के चलते कई बार जाम की स्थिति बनती नजर आई।

शहर में सबसे अधिक जाम लगने वाले स्थानों गांधीनगर चौराहा, स्टेशन रोड, कंपनीबाग चौराहा, अस्पताल चौराहा, कटरा और रोडवेज के सामने यातायात सामान्य करने के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। इन स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। क्रेन की व्यवस्था भी की गई है, ताकि गलत तरीके से खड़े वाहनों को तुरंत हटाया जा सके। ई–रिक्शा और ऑटो चालकों को भी हिदायत दी गई है कि वे सड़क पर वाहन खड़ा कर जाम न लगाएं।

त्योहार पर बाहर से आने वाले लोगों की संख्या बढ़ जाती है। इसलिए बस्ती रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस अड्डा और प्राइवेट बस स्टैंडों पर भी पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है। वहां ऑटो, टेंपो और ई–रिक्शा चालकों को कतार में लगाने, यात्रियों को परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। अवैध रूप से खड़े वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है।

अब कर्फ्यू के दायरे में नहीं आएगी अयोध्या –योगी

संवाददाता– अयोध्या । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब अयोध्या कभी कर्फ्यू के दायरे में नहीं आएगी। यहां कोई दंगा–फसाद करने का साहस नहीं कर पाएगा। अयोध्या को अब कोई उपेक्षित नहीं कर सकेगा और न ही यहां के संतों को अपमानित करने या रामभक्तों पर गोली चलाने का दुस्साहस कर पाएगा। उन्होंने कहा कि इसी संदेश को देने के लिए वह दीपोत्सव के मंच से उपस्थित हुए हैं। सीएम योगी ने दीपोत्सव की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि 25 हजार दीपों से शुरू हुआ यह आयोजन आज 25 लाख की सीमा पार कर चुका है। उप राष्ट्रपति के करकमलों से दीप प्रज्वलन के बाद अयोध्या धाम में 30 लाख दीप प्रज्वलित होकर पूरी दुनिया को राम के प्रकाश से आलोकित किया

उन्होंने कहा कि उप राष्ट्रपति ने अपनी व्यस्तताओं के बावजूद दीपोत्सव–2026 में सहभागिता की है। इसके लिए उन्होंने उप राष्ट्रपति और उनके साथ आए सभी गणमान्य अतिथियों, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, पूज्य संतों और अन्य विशिष्ट अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

सीएम ने प्रभु श्रीराम की कृपा अयोध्या और पूरे उत्तर प्रदेश पर बनी रहने की कामना करते हुए कहा कि प्रदेशवासी प्रभु के नाम का स्मरण और जप करते हुए रामराज्य की अवधारणा को साकार करने में अपना योगदान दें। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में आगे कहा कि रामकथा की मर्यादा और धार्मिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि कथाओं की अपनी मर्यादा और पवित्र परंपरा होती है। लेकिन, कुछ लोग अपनी उच्छृंखल प्रवृत्ति के कारण कथा की पवित्रता को ध्यान में नहीं रखते और उसे मुशायरे के दायरे में ढालकर अपवित्र करने का प्रयास करते हैं।

समाधान दिवस में 9 मामले निस्तारित

–**भारतीय बस्ती संवाददाता**–

बस्ती । जनता की समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हरैया तहसील सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती कृतिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

उन्होने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी फरियादी अपनी समस्या के समाधान की अपेक्षा से ही सरकारी कार्यालयों में आता है, इसलिए जनता की समस्याओं का समाधान करना सभी अधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि जिन शिकायतों का निस्तारण मौके पर नहीं हो सका है, संबंधित विभाग के अधिकारी स्थलीय निरीक्षण कर निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ उनका निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही जन–शिकायतों के निस्तारण में समयबद्धता और पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करते हुए पुलिस से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुनें तथा थाने पर आने से सहजता से बात करें। उप जिलाधिकारी प्रदुम्न कुमार ने बताया कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 63 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से मौके पर 09 का निस्तारण हुआ। इनमें राजस्व विभाग से संबंधित 26, पुलिस विभाग से 09, विद्युत विभाग से 04, विकास विभाग से 08, आपूर्ति विभाग से 16 प्रार्थना पत्र है।



इस अवसर पर सीएमओ डा. राजीव निगम, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, पीडी आनन्द कुमार गुप्ता, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी विमल शुक्ला, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रेखा गुप्ता, जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, डीएचओ अरूण त्रिपाठी, पशुचिकित्साधिकारी डा. ए. के. गुप्ता, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पहले रामभक्तों से माफी मांग लें, फिर अयोध्या आएं अखिलेश–योगी

संवाददाता– अयोध्या। दीपोत्सव पर अयोध्या पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ विपक्ष पर जमकर बरसे। समाजवादी पार्टी को निशाने पर लेते हुए सीएम योगी ने अखिलेश यादव के अयोध्या आने पर तंज कसा। उन्होंने कहा, जिन्होंने अयोध्या को अपमानित करने का काम किया, जिनकी सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं, वह अब राम मंदिर जाने की बात कर रहे हैं। ऐसे लोग अगर अयोध्या आ रहे हैं तो वह पहले रामभक्तों और संतों से माफी मांग लें।

सपा पर हमलावर हुए सीएम योगी ने कहा, जो लोग अयोध्या की गलियों को रक्तरंजित करते थे, आज वह भी अपने लोग का स्मरण नहीं कर पा रहे हैं। मुझे तो आश्चर्य होता है उन लोगों पर जब वह किसी कथा में जाते हैं तो उन्हें यह भी पता नहीं होता है कि कथा है या मुशायरा है। उन्होंने कहा, हमारे यहां कथाओं की अपनी मर्यादा है, उसकी पवित्र परंपरा है। सीएम योगी ने कहा, जिन लोगों ने अयोध्या को उपेक्षित किया था, अपमानित किया था, रामभक्तों पर गोलियां चलाई थीं, संतों



पर लाठीचार्ज करवाया था वे लोग अयोध्या आएं जरूर लेकिन माफी मांग करके आएं। अखिलेश यादव का बिना नाम लिए सीएम योगी ने कहा, रामभक्तों और संतों से एक बार वह माफी मांगें। अपने कृत्यों से पश्चाताप कर लें। हमारे प्रभु सबको माफ करेंगे। लेकिन अहंकारी सत्ता को समाप्त करने में प्रभु क्षण नहीं लगाते हैं।

सीएम योगी ने कहा, अयोध्या अब कभी कर्फ्यू के दायरे में नहीं आएगी। अब अयोध्या को कोई उपेक्षित नहीं कर पाएगा। अयोध्या के संतों को कोई अपमानित नहीं कर पाएगा और न ही कोई राम भक्तों पर गोली चला पाएगा। सीएम योगी ने सपा सरकार के समय को याद करते हुए कहा, पहले अयोध्या को तीन घंटे बिजली मिलती थी। आज अयोध्या देश की स्मार्ट सिटी और सोलर सिटी भी है। आज अयोध्या के पास धर्म पथ, भक्ति पथ श्रीराम पथ, जनमभूमि पथ के रूप में दुनिया को आकर्षित कर रहे हैं। पहले अयोध्या में आने पर अंकुश लगता था।

सीएम योगी ने कहा, आजादी के बाद से लगातार अयोध्यावासियों की उपेक्षा हुई है। अब अयोध्या के विकास को देखकर वह बर्दाश्त नहीं कर पा रहे है। अयोध्या हमारी वैचारिक विजय है। सीएम योगी ने कहा, राम ने सबको अपनाया था। लेकिन कोई मारीच बनकर आता है तो वह राम के बाणों से बच भी नहीं पाएगा। राममंदिर परिसर में उत्तर से लेकर दक्षिण तक कौन ऐसा है, जो नहीं है, यहां सभी विराजमान हैं। उन्होंने कहा, अयोध्या में आने वाले लोगों पर बाल्मीकि, विश्वामित्र, माता सबरी की नजरें हैं गिद्धराज जटायु भी जन्मभूमि परिसर में एक टक देख रहे हैं। सीएम योगी ने कहा, राम का नाम अयोध्या से दुनिया तक पहुंचाया महर्षि बाल्मीकि ने। उनके नाम पर अयोध्या का इंटरनेशनल एयरपोर्ट बना है।

मासिक बैठक में सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ ने घोषित किये पदाधिकारी

–**भारतीय बस्ती संवाददाता**–

बस्ती । शनिवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सपा जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अध्यक्षता में मासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्षों की उपस्थिति में बूथवार सघन समीक्षा की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि अभी से आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाय। इसी कड़ी में सुनील कुमार चौहान के साथ अनेक लोग सपा में शामिल हुये। राम बहाल यादव और लक्ष्मण चौरसिया को जिला सचिव का दायित्व सौपा गया। सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने बताया कि एजाज अहमद को मजदूर सभा का प्रदेश सचिव नामित किया गया है।

बैठक में महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा कुशासन से ऊब चुकी है, सत्ता और व्यवस्था परिवर्तन के लिये सपा नेता घर–घर जाकर लोगों से संवाद बनाये और पीड़ितों की मदद करें। यह भी ध्यान रहे कि मतदाता सूची पर नजर रखे और कोई मतदाता मतदान से वंचित न होने पाये।

सपा की मासिक बैठक को पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक, राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' दयाशंकर मिश्र, मो. स्वालेह, जावेद पिण्डारी, समीर चौधरी, मो. सलीम, आर.डी. निषाद, देवेन्द्रनाथ श्रीवास्तव, अजीत सिंह, प्रवीण पाठक, इन्द्रावती शुक्ला, आर.डी. गोस्वामी, जितेन्द्र यादव, राजेन्द्र चौधरी, सुरेश यादव, संजय गौतम, मनीष श्रीवास्तव, प्रदीप यादव, मंशाराम कन्नौजिया, नीलू सिंह, इरशाद अहमद, निसार अहमद, जसी यादव, अजय यादव, आदि ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में जीत सुनिश्चित होने और सपा की मजबूत सरकार बनाने के लिये जमीनी धरातल पर कड़े परिश्रम की जरूरत है। कहा कि बूथ जीत गये तो चुनाव जीत जायेंगे और जन सरोकारों के लक्ष्य पूरे होंगे।

बैठक में मुख्य रूप से गुलाब सोनकर, निजामुद्दीन, रजनीश यादव, विवेक यादव, राहुल सिंह, अकबर अली, हनुमान प्रसाद, मोनू यादव, राम बहाल चौधरी, डा. राम प्रकाश सुमन, दीनानाथ चौरसिया, नितराम चौधरी, जोखूलाल यादव, गिरीश चन्द्र, मो. सलीम, मो. अहमद सज्जू, विजय विक्रम आर्य, रामभवन यादव, रमेश गौतम, वैजनाथ शर्मा, उदयराज शर्मा, अखिलेश यादव, मंजुबन यादव, गजानन्द पाल, अखिलेश यादव, रहमान सिद्दीकी, दीपक आर्य, इकबाल अहमद काजू, रजवन्त यादव, रितेश यादव, राजेन्द्र यादव, के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



–मतदाता सूची पर नजर रखे समाजवादी: महेन्द्रनाथ यादव

–सुनील कुमार समर्थकों के साथ सपा में शामिल

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 नवम्बर 2026 रविवार

सम्पादकीय

आधारकार्ड और मतदाता पहचान पत्र

केन्द्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह का उनके मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान व भुगतान करने के लिए 'आधार' की जगह बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण वाले मतदाता पहचान पत्रों का इस्तेमाल किए जाने संबंधी बयान मौजूदा कानूनों एवं नियमों के उलट है। बुनियादी रूप से, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा विभिन्न राज्यों में खामियों से सराबोर 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के जरिए तैयार की गई मतदाता सूचियां लाभार्थियों की पहचान की जांच करने वाली डेटासेट बन जाएगी। लेकिन यह कदम बिहार एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट के 27 मई के फैसले के उलट है। साथ ही, यह पश्चिम बंगाल सरकार के एसआईआर के दौरान हटाए गए लोगों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) और अन्नपूर्णा योजना से बाहर करने के आदेशों के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई के दौरान की गई सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों के भी खिलाफ है। अदालत ने कहा कि मतदाता सूची में किसका नाम होना चाहिए, यह तय करने के लिए ईसीआई नागरिकता के संबंध में सिर्फ एक "सीमित जांच" ही कर सकता है और "इसके तहत की गई कोई भी कार्रवाई सिर्फ चुनावी नतीजों तक ही सीमित होगी"। अदालती फैसले में कहा गया है कि मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का नतीजा, सूची में उस व्यक्ति के स्थान और उसके मतदान के अधिकार तक ही "सीमित" रहता है। अदालत ने ईपीआईसी को "मतदाता सूची में शामिल किए जाने के आधार पर जारी किया गया एक व्युत्पन्न दस्तावेज" भी कहा और यह माना कि उसी मतदाता सूची के सत्यापन के लिए इसी दस्तावेज पर निर्भर रहना, पूरी प्रक्रिया के मकसद को ही नाकाम कर देगा। यह विडंबना है कि श्री सिंह अब चाहते हैं कि यही "व्युत्पन्न दस्तावेज" कल्याणकारी लाभों का निर्धारण करने की बुनियाद बने।

हर नागरिक पात्र मतदाता नहीं होता और सुविधाओं को मतदाता सूची से जोड़ना तर्कहीन एवं क्रूर भी है। पश्चिम बंगाल में, लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। इनमें से कई नाम तो संदिग्ध "तार्किक विसंगतियों" के आधार पर हटाए गए। नाम बहाल करने के लिए सुनी गई अपीलों में से 93 फीसदी मामलों में सितंबर 2026 तक नाम वापस जोड़ दिए गए, जो चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर लोगों को मताधिकार से वंचित किए जाने की ओर इशारा करता है। अदालत ने कहा है कि उसे अभी ईसीआई के "तार्किक विसंगतियों" वाले तरीके की वैधता पर फैसला सुनाना बाकी है। ईसीआई ने एसआईआर को इसलिए डिजाइन किया था ताकि निवास संबंधी कड़े मानदंडों के जरिए नामांकन को सीमित किया जा सके।

फिर सियासी सुर्खियों में अयोध्या

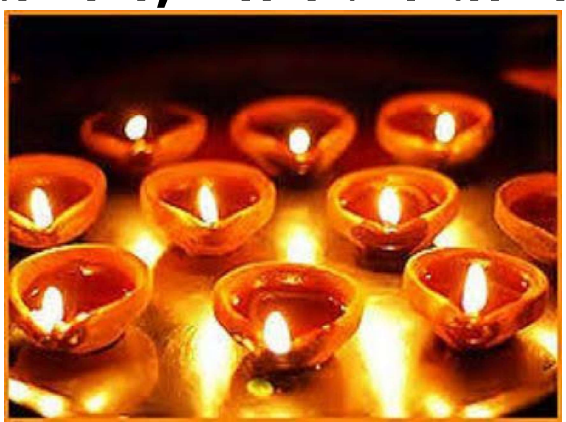
उत्तर प्रदेश की राजनीति में अयोध्या एक बार फिर सबसे बड़ा सियासी अखाड़ा बनने जा रही है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 12 दिसंबर 2026 को परिवार के साथ रामलला के दर्शन करने पहुंचेंगे। हनुमानगढ़ी में भी माथा टेकेंगे। सपा नेता तेज नारायण पांडेय उर्फ पवन पांडेय ने इस कार्यक्रम की घोषणा की है। लेकिन सवाल सिर्फ इतना नहीं कि अखिलेश रामलला के सामने शीश झुकाएंगे। असली सवाल यह है कि आखिर तीन दशक से अधिक समय तक अयोध्या की राजनीति से दूरी बनाए रखने के आरोप झेलने के बाद अब उन्हें मंदिर पहुंचने की जरूरत क्यों महसूस हुई? क्या यह मुलायम सिंह यादव की राजनीतिक विरासत से आगे निकलने की कोशिश है या भाजपा के हिंदुत्व के राजनीतिक विमर्श को सीधी चुनौती देने की तैयारी? इस दौरे ने भाजपा के नेताओं को भी अखिलेश पर हमला करने का नया अवसर दिया है। अक्टूबर में अखिलेश अयोध्या पहुंचे थे, लेकिन रामलला के दर्शन नहीं किए। इसी को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें मंदिर जाने और पश्चाताप करने की नसीहत दी। भाजपा नेताओं ने पुराने अयोध्या गोलीकांड को फिर उठाया। सवाल उठता है कि क्या राम मंदिर का रास्ता अब विपक्षी नेताओं के लिए राजनीतिक परीक्षा का रास्ता भी बन गया है? भाजपा की रणनीति साफ दिखाई देती है। वह चाहती है कि अखिलेश का हर कदम 1990 की घटना के संदर्भ में देखा जाए। इससे चुनावी बहस रोजगार, महंगाई, किसान और सरकारी कामकाज से हटकर धार्मिक पहचान पर केंद्रित हो सकती है।

इस हमले में ओम प्रकाश राजभर ने भी अपना राजनीतिक तीर चलाया। उन्होंने अखिलेश के अयोध्या दौरे पर तंज कसते हुए कहा कि मंदिर जाते तो दाढ़ी–टोपी नाराज हो जाती। राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश मुस्लिम वोटों के डर से रामलला के दर्शन नहीं कर रहे थे। उन्होंने उनसे पश्चाताप करने की नसीहत भी दी। राजभर की टिप्पणी महज व्यक्तिगत कटाक्ष नहीं, बल्कि सपा के एमवाई समीकरण पर सीधा हमला है। भाजपा और उसके सहयोगी दल यह सवाल खड़ा करना चाहते हैं कि क्या सपा की राजनीति धार्मिक आस्था के मामले में भी वोटों के हिसाब से चलती है? लेकिन इस बहस में एक सवाल राजभर से भी पूछा जाना चाहिए, क्या किसी नेता की धार्मिक आस्था का फैसला उसके मंदिर जाने या न जाने से किया जा सकता है? अखिलेश के लिए यह सवाल आसान नहीं है। 1990 की अयोध्या गोलीबारी समाजवादी पार्टी की राजनीति पर आज भी सबसे भारी ऐतिहासिक बोझ है। 30 अक्टूबर और 2 नवंबर को राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर पुलिस ने गोली चलाई थी। उस समय मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। गोलीबारी में कई लोगों की जान गई। मृतकों की संख्या को लेकर अलग–अलग दावे रहे हैं। मुलायम सिंह ने बाद में 28 मौतों का उल्लेख किया था। तत्कालीन सरकार ने कार्रवाई को कानून–व्यवस्था और सांप्रदायिक तनाव रोकने की मजबूरी बताया, जबकि भाजपा ने इसे रामभक्तों पर गोली चलाने की घटना के रूप में अपनी राजनीति का प्रमुख मुद्दा बनाया। यही वह इतिहास है जिसे भाजपा हर चुनाव में सपा के सामने रखती है। लेकिन अयोध्या की कहानी 1990 पर खत्म नहीं होती। दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति का सामाजिक समीकरण बदल गया। 1993 के विधानसभा चुनाव में सपा और बसपा ने गठबंधन किया। सपा को 109 और बसपा को 67 सीटें मिलीं। भाजपा 177 सीटों पर सिमट गई। मुलायम सिंह दोबारा मुख्यमंत्री बने। इसी दौर में मुस्लिम–यादव यानी एमवाई समीकरण सपा की राजनीतिक पहचान बना। इसलिए 1990 की गोलीबारी को केवल कानून–व्यवस्था की घटना बताकर छोड़ देना भी इतिहास को अधूरा पढ़ना होगा। उसके राजनीतिक परिणामों ने प्रदेश की सत्ता और सामाजिक गठबंधनों को दशकों तक प्रभावित किया। अब अखिलेश उस विरासत के साथ अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समीकरण सपा के पुराने एमवाई आधार का विस्तार है। लेकिन भाजपा का आरोप है कि सपा की राजनीति अब भी मुस्लिम मतदाताओं पर निर्भर है। ऐसे में रामलला के दर्शन अखिलेश के लिए एक प्रतीकात्मक जवाब हो सकते हैं। हालांकि मंदिर पहुंचने से यह साबित नहीं होगा कि पुराने सवाल समाप्त हो गए। उन्हें यह स्पष्ट करना होगा कि धार्मिक आस्था और सामाजिक न्याय को साथ लेकर उनकी राजनीति किस दिशा में जाएगी।

अंधेरे से बचें, जागरूकता का दीप जलाएँ



— डॉ. सत्यवान सौरभ—



दीपावली प्रकाश, उल्लास और सकारात्मकता का पर्व है। यह त्योहार हमें अंधकार से प्रकाश की ओर, निराशा से आशा की ओर और अज्ञान से ज्ञान की ओर बढ़ने का संदेश देता है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस पर्व पर हम घर–घर दीप जलाकर खुशियों का स्वागत करते हैं, उसी समय कुछ लोग समाज में अंधविश्वास, भय और भ्रम का अंधेरा फैलाने का प्रयास करते हैं। हरियाणा के गांवों में श्मशान घाटों और सुनसान स्थानों पर कथित तांत्रिक गतिविधियों तथा संदिग्ध वस्तुएं मिलने की खबरों के बीच ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की जा रही है। ऐसी परिस्थितियों में सावधानी आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है कि हम विवेक बनाए रखें और किसी भी प्रकार के अंधविश्वास का शिकार न बनें।

श्मशान घाट किसी भी गांव की सामाजिक व्यवस्था का एक हिस्सा होते हैं। वे अंतिम संस्कार जैसे गंभीर और संवेदनशील कार्यों से जुड़े सार्वजनिक स्थल हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग इन्हीं स्थानों को रहस्य, भय और तंत्र–मंत्र की कहानियों से जोड़कर लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करते हैं। कभी नींबू, मिर्च, सिंदूर, राख, गुड़िया, हड्डियों जैसी दिखने वाली वस्तुओं या अन्य संदिग्ध सामान को लेकर तरह–तरह की बातें फैलाई जाती हैं। इन वस्तुओं को देखकर कुछ लोग तत्काल किसी अनहोनी, जादू–टोने या कथित तांत्रिक क्रिया का निष्कर्ष निकाल लेते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी वस्तु के वहां पड़े होने मात्र से किसी अलौकिक शक्ति या तंत्र–मंत्र की पुष्टि नहीं होती।

समाज को यह समझना होगा कि तंत्र–मंत्र के नाम पर लोगों को डराना, उनकी आर्थिक मजबूरी और मानसिक परेशानी का फायदा उठाना तथा चमत्कारों के नाम पर धन ऐंठना शोषण का एक तरीका है। कई बार बीमारी, पारिवारिक विवाद, आर्थिक संकट, संतान संबंधी चिंता और व्यक्तिगत परेशानियों से जूझ रहे लोग ऐसे कथित बाबाओं और तांत्रिकों के चंगुल में फंस जाते हैं। उन्हें बताया जाता है कि उनके परिवार पर किसी ने जादू–टोना कर दिया है, घर में नकारात्मक शक्ति है या किसी विशेष पूजा के बिना संकट दूर नहीं होगा। भयभीत परिवार अपनी मेहनत की कमाई ऐसे लोगों पर खर्च कर देते हैं। परिणामस्वरूप समस्या का समाधान तो नहीं होता, बल्कि आर्थिक और मानसिक परेशानी और बढ़ जाती है।

विज्ञान ने आज जीवन के लगभग हर क्षेत्र में असंभव दिखाई देने वाली उपलब्धियां हासिल की हैं। चिकित्सा विज्ञान बीमारियों का उपचार कर रहा है, कृषि विज्ञान किसानों की उत्पादकता बढ़ा रहा है और तकनीक ने दुनिया को एक–दूसरे के करीब ला दिया है। ऐसे समय में किसी भी समस्या का समाधान तंत्र–मंत्र, टोने–टोटके या कथित चमत्कारों में तलाशना विवेकपूर्ण दृष्टिकोण नहीं कहा जा सकता। बीमारी का इलाज डॉक्टर से, कानूनी समस्या का समाधान कानून से और पारिवारिक समस्या का समाधान संवाद एवं समझदारी से होना चाहिए। किसी भी परेशानी को अदृश्य शक्तियों के नाम पर छोड़ देना समस्या से भागने जैसा है।

हालांकि ग्रामीणों की सतर्कता को कम करके नहीं आंका जा सकता। यदि किसी गांव के श्मशान घाट, खेत, सुनसान रास्ते या सार्वजनिक स्थान पर संदिग्ध वस्तुएं अथवा गतिविधियां दिखाई दें तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस प्रशासन को दी जानी चाहिए। ग्रामीण स्वयं किसी वस्तु को छूने, हटाने या उसकी जांच करने का प्रयास न करें। संदिग्ध गतिविधियों की तस्वीर या जानकारी सुरक्षित दूरी से पुलिस को दी जा सकती है। किसी व्यक्ति पर बिना प्रमाण आरोप लगाना, भीड़ इकट्ठी करना या कानून अपने हाथ में लेना उचित नहीं है। कई बार छोटी–सी अफवाह बड़ी घटना का रूप ले सकती है। इसलिए प्रशासन की जांच और आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करना चाहिए।

सोशल मीडिया के इस दौर में अफवाहें फैलाना बेहद आसान हो गया है। कोई व्यक्ति किसी सुनसान जगह पर पड़ी वस्तु की तस्वीर खींचकर उसके साथ तंत्र–मंत्र की कहानी जोड़ देता है और देखते ही देखते वह संदेश अनेक गांवों तक पहुंच जाता है। लोग बिना सत्यापन के उसे आगे साझा करने लगते हैं। इससे ग्रामीणों में भय का वातावरण बनता है और कभी–कभी निर्दोष लोगों को भी संदेह की दृष्टि से देखा जाने लगता है। यह स्थिति सामाजिक सौहार्द और कानून–व्यवस्था दोनों के लिए नुकसानदायक है। हमें समझना होगा कि हर वायरल संदेश सच नहीं होता और हर असामान्य वस्तु का संबंध किसी तांत्रिक गतिविधि से नहीं होता।

हरियाणा के गांवों की पहचान आपसी भाईचारे, सामाजिक सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी से रही है। गांवों में चौपाल, पंचायत और सामाजिक संस्थाएं जागरूकता फैलाने का प्रभावी माध्यम बन सकती हैं। ग्राम पंचायतों को चाहिए कि वे श्मशान घाटों, सार्वजनिक स्थलों और सुनसान रास्तों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा आवश्यक सुरक्षा प्रबंध करें। ग्रामीणों को पुलिस के संपर्क नंबर उपलब्ध कराए जाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने के लिए जागरूक किया जाए। दीपावली के अवसर पर विशेष रूप से युवाओं को जिम्मेदारी निभानी चाहिए। इसका अर्थ यह नहीं कि वे किसी प्रकार की निगरानी के नाम पर किसी को परेशान करें, बल्कि उनका उद्देश्य सुरक्षित वातावरण और सही जानकारी सुनिश्चित करना होना चाहिए।

अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को भूत–प्रेत, चुड़ैल, जादू–टोना और तांत्रिक शक्तियों के नाम पर भयभीत न करें। बचपन से ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच और प्रश्न पूछने की आदत विकसित करनी चाहिए। बच्चों को बताना चाहिए कि अंधेरे स्थानों से सावधानी बरतना समझदारी है, लेकिन किसी काल्पनिक शक्ति से डरना आवश्यक नहीं। वास्तविक खतरे अपराध, असामाजिक गतिविधियां और असुरक्षित परिस्थितियां हैं, जिनसे बचाव जागरूकता, सुरक्षा और कानून के माध्यम से किया जा सकता है।

धर्म और आस्था व्यक्ति को नैतिकता, करुणा, सेवा और सद्भाव का संदेश देते हैं। लेकिन आस्था के नाम पर भय फैलाना, लोगों को भ्रमित करना और उनकी मजबूरी का आर्थिक लाभ उठाना किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं है। पूजा–पाठ व्यक्ति की निजी श्रद्धा का विषय हो सकता है, लेकिन अंधविश्वास को सामाजिक समस्या बनने से रोकना हम सबकी जिम्मेदारी है।

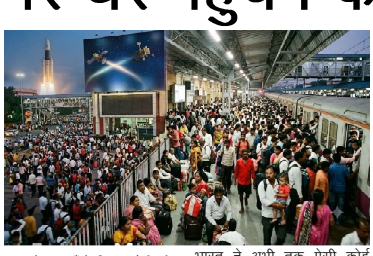
दीपावली पर हमें केवल अपने घरों में दीपक नहीं जलाने, बल्कि अपने विचारों में भी ज्ञान और विवेक का प्रकाश फैलाने की आवश्यकता है। श्मशान घाटों में संदिग्ध वस्तुएं मिलने की खबरों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस को सूचना दें, लेकिन उन्हें तंत्र–मंत्र या चमत्कार से जोड़कर भय का माहौल न बनाएं। किसी के बहकावे में न आएं, किसी कथित तांत्रिक के झांसे में न फंसें और बिना प्रमाण किसी पर आरोप न लगाएं।

याद रखिए, इन टोने–टोटकों और कथित चमत्कारों से जीवन की समस्याएं हल नहीं होतीं। मेहनत, चिकित्सा, शिक्षा, विज्ञान, कानून और सकारात्मक सोच ही वास्तविक समाधान हैं। समाज को डर की नहीं, जागरूकता की जरूरत है। इस दीपावली संकल्प लें कि हम अंधविश्वास से दूर रहेंगे, अफवाहों को आगे नहीं बढ़ाएंगे और हरियाणा के गांवों को सुरक्षित, शिक्षित तथा वैज्ञानिक सोच वाला समाज बनाने में योगदान देंगे।

क्योंकि वास्तविक प्रकाश दीपक से ही नहीं, मनुष्य के विवेक और विचारों से भी फैलता है।

त्यौहारों पर घर पहुंचने की चुनौती

—अभिनय आकाश—



परदेस में पसीना बहाते हर इंसान के लिए साल के 365 दिन एक तरफ... और दीवाली–छठ के वो चार दिन एक तरफ। सीने में ध धड़कता हुआ बस एक ही सपना होता है, घर लौटना। दिल की ट्रेन पर घर जाने की तड़प हो और मां–बाप के फोन बज रहे हो कि बेटा घर कब आओगे। लेकिन इस मुल्क में एक आम परदेसी के लिए घर लौटने का रास्ता किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होता। रात के 9रू15 की ट्रेन थी। गोदी में 8 महीने का मासूम बच्चा और साथ में पत्नी। घर से तो यही सोचकर निकले थे कि एक घंटा पहले नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुँच जाएंगे तो सुकून से बैठेंगे, लेकिन स्टेशन के बाहर का नजारा देखते ही जैसे पैरों तले जमीन खिसक गई। स्टेशन के मुख्य गेट से लेकर बाहर सड़क तक फैली यात्रियों की अनगिनत, कभी न खत्म होने वाली कतारें। दिवाली और छठ का त्योहार सिर पर हो, तो परदेस में कमाने वाले हर बिहारी के दिल में बस एक ही धुन बजती है। घर पहुँचने की इसी बेताबी के बीच जब स्टेशन के बाहर इंसानों का समंदर देखा, तो दिल डूबने लगा। लगा कि महीनों की तपस्या, तत्काल टिकट की वो जद्दोजहद और माँ के हाथ के ठेकुए का स्वाद सब एक पल में बिखर जाएगा। ट्रेन छूटने का खौफ ऐसा था कि एक हाथ से बच्चे को सीने से कसकर भींचे हुए थे और दूसरे हाथ से बार–बार जेब में रखे बटुए को टटोल रहे थे। नजरें घड़ी की सुइयों पर टिक कर रह गई थीं, जो बेरहमी से आगे भाग रही थीं। तभी उस आपाधापी और शोर के बीच लाल कुर्ते वाले एक कुली की आवाज कानों में पड़ी भईया, कितने बजे की गाड़ी है? 9रू15 वाली? भूल जाइए, इस लाइन में खड़े रहे तो ट्रेन छूट जाएगी। 500 रुपये दीजिए, सीधे प्लेटफॉर्म पर उतार देंगे। हमारे पास कोई भारी अटैची या बोरिया–बिस्तर नहीं था जिसे उठाने के लिए कुली की दरकार होती। कंधे पर एक छोटा बैग था और सीने से लगा वो नन्हा सा बच्चा। लेकिन उस वक्त 500 रुपये सामान ढोने के नहीं, बल्कि उस बूढ़ी माँ की उम्मीदों को जिंदा रखने की कीमत थी जो दरवाजे पर आँखें बिछाए बैठी थी। महीनों पहले कंफर्म कराए टिकट और साल भर के इंतजार के सामने वो 500 रुपये बहुत छोटे लगे। हमने हामी भर दी। वो कुली हमें भीड़ से काटकर, घुमावदार रास्तों और पिछले गेट से होते हुए सीधे प्लेटफॉर्म पर ले आया। ट्रेन सामने खड़ी देख आँखों में एक अजीब सी नमी तैर गई।

त्यौहार सबके लिए खुशी नहीं होती और ट्रेन का सफर सबके लिए आरामदायक नहीं होता। रेलवे स्टेशन पर उमड़ती भीड़, ट्रेन में चढ़ने की मारामारी और सीट पाने की कोशिश यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा देती हैं। सोशल मीडिया पर ऐसे ही कई वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें रेलवे स्टेशन पर दिखाई दे रही भीड़ को देखकर कोई भी हैरान हो जाएगा। हर साल की तरह इस साल भी दिवाली के मौके पर यूपी बिहार की तरफ जाने वाली ट्रेनों जनरल डिब्बे में लोगों के लिए सफर करना मुश्किल साबित हो रहा है। जैसे जैसे दीवाली और छठ नजदीक आ रहा है, स्टेशन और ट्रेनों में भीड़ बढ़ती जा रही है। इंडियन रेलवे ने दिल्ली एनसीआर में आने वाले छह बड़े रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री पर 14 नवंबर तक रोक लगा दी है,जिससे की भीड़ को कंट्रोल किया जा सके। वैसे तो भारत उन चुनिंदा विकसित देशों में से एक है जिसने चांद पर अपना यान पहुंचाया है। भारत ने चांद और मार्स पर पहुंचने का रास्ता तो खोज लिया है, लेकिन विडंबना देखिए भारत आज भी अपने रहवासियों को त्यौहार और तीज के मौके पर उन्हें घर पर सुरक्षित और आराम से पहुंचाने का रास्ता नहीं खोज पा रहा है। हाईटेक टेक्नोलॉजी के दौर में भारत ने अभी तक ऐसी कोई टेक्नोलॉजी विकसित नहीं की है, जिसके बदौलत देश के आम नागरिकों को एक कंफर्म टिकट मिल जाए या फिर एक डिग्निटी के साथ वो जनरल बागी में भी एक सीट पर बैठकर सफर कर सके। यह सवाल इसलिए उठता है क्योंकि हमारे देश में जब–जब कोई परदेसी दिवाली या छठ पर अपने घर जाने की सोचता है, तो उसे हर कदम पर लाचारी और शोषण का ही सामना करना पड़ता है। यह कोई नई बात नहीं है। आपमें से भी शायद ही कोई ऐसा होगा जिसने कभी घर जाने के लिए टिकट देखा हो और लंबी वेटिंग लिस्ट देखकर दिल न बैठा हो, या फिर प्लाइट और बसों के आसमान छूते किराए देखकर जेब ने जवाब न दे दिया हो।

खासकर यूपी और बिहार की तरफ जाने वाले लोग तो बरसों से यही रोना रो रहे हैं कि भाई, ट्रेन में सीट मिलना तो दूर, खड़े होने की जगह नहीं मिलती और फ्लाइट का किराया ऐसा हो जाता है मानो विदेश का टिकट कटा रहे हों। जबकि सच यह है कि दिवाली और छठ की तारीखें पंचांग में साल भर पहले से पता होती हैं। सबको पता होता है कि किस दिन त्योहार है। ट्रेनों के टिकट भी दो–चार महीने पहले खुल जाते हैं। तो फिर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारे देश के रेलवे सिस्टम को यह अंदाजा नहीं होता कि इन रूटों पर कितने लाख लोग अपने घर लौटेंगे? अगर उन्हें पता होता है, तो फिर हर साल स्पेशल ट्रेनों के कागजी ऐलानों के बावजूद ट्रेनों में पैर रखने की जगह क्यों नहीं होती? खड़े होने की जगह की लड़ाई तो ट्रेन आने के बाद शुरू होती है, उससे पहले की असली जंग तो टिकट खिड़की पर लड़ी जाती है। आम इंसान सुबह 10 और 11 बजे तत्काल टिकट के लिए उंगलियां थामकर बैठता है, और दो मिनट के भीतर सारी सीटें गायब हो जाती हैं। दलाल और अवैध सॉफ्टवेयर वाले पूरे कोटे को मिनटों में हड़प जाते हैं। आखिर आम आदमी और इन दलालों के बीच यह जंग कब खत्म होगी? रेलवे का तंत्र इन अवैध सॉफ्टवेयरों और दलालों के सामने लाचार कब तक बना रहेगा? कब तक एक सीधा–साधा नागरिक अपनी बेबसी पर आंसू बहाता रहेगा? अगर ट्रेन का टिकट न मिले, तो दूसरा रास्ता क्या बचता है? प्राइवेट बसें या फ्लाइट। लेकिन वहां तो खुली लूट मची होती है। सरकार ने आज तक फ्लाइट के डायनामिक फेयर और प्राइवेट बसों की मनमानी वसूली पर कोई लगाम क्यों नहीं लगाई? कोई कैप (अधिकतम सीमा) क्यों तय नहीं की जाती? त्योहार आते ही हर टिकट तीन गुना, चार गुना महंगा क्यों हो जाता है? क्या इस मनमाने मुनाफे और खुले शोषण को रोकने वाला कोई नहीं है? जरा उस इंसान के बारे में सोचिए जो बड़े शहरों में 15,000, 20,000 या 25,000 रुपये महीने की नौकरी करता है। क्या उसे साल भर की मेहनत के बाद सिर्फ एक बार अपने बूढ़े मां–बाप और बच्चों से मिलने के लिए अपनी पूरी एक महीने की कमाई सिर्फ आने–जाने के किराए में फूंक देनी चाहिए? देश इतनी तरक्की कर रहा है, डिजिटल इंडिया और हाई–स्पीड नेटवर्क की बातें करते हैं... लेकिन हकीकत यह है कि जब अपने ही देश में एक आम नागरिक को अपने घर जाने के लिए गिड़गिड़ाना पड़े, अपनी जेब कटवानी पड़े और जानवरों की तरह ठुंसकर सफर करना पड़े, तो फिर तरक्की के सारे दावे खोखले लगने लगते हैं। आखिर यह सिलसिला कब थमेगा?परदेस में साल भर पसीना बहाने वाले हर बिहारी और पूर्वांचली के लिए दीवाली–छठ सिर्फ त्योहार नहीं, घर लौटने का एक नाजुक अहसास है। यही वजह है कि त्योहारों का मौसम शुरू होते ही महानगरों के स्टेशनों पर सैलाब सा उमड़ पड़ता है। चार महीने पहले की बुकिंग हो या तत्काल की माथापच्ची, सीटें मिनटों में खत्म हो जाती हैं, लेकिन घर जाने की जिद कम नहीं होती। यह सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि सम्मान की लड़ाई है। यह उस समाज की सामूहिक विफलता है, जो अपने ही नागरिकों को उनकी जड़ों से जोड़ने वाले सबसे बुनियादी पुल को मजबूत नहीं कर पाया है।

प्रदूषण पर राजनीति का धुंआ



—ललित गर्ग—

त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं, सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं। दीपावली प्रकाश, प्रसन्नता, उल्लास और मंगलकामना का पर्व है, लेकिन यदि उत्सव की चमक के पीछे आसमान धुएं से भर जाए, बच्चों और बुजुर्गों का दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवा के लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन–मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्म की जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाज की साझा जिम्मेदारी है।

मुंबई का उदाहरण इस समस्या की गंभीरता को और उजागर करता है। सामान्यतः समुद्र की हवाओं और भौगोलिक स्थिति के कारण मुंबई को दिल्ली की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचार का लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। बीएमसी की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2025–26 के अनुसार, मुंबई के 14 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 13 पर पीएम–10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा–कुर्ला कॉम्प्लेक्स में यह स्तर 125 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महानगरीय विकास की उस दिशा पर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगों के हिस्से की स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषण का पूरा दोष केवल दीपावली के पटाखों पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषण की समस्या को त्योहारों के दौरान और गंभीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषण का स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावली के आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियता का प्रदर्शन है। मुंबई में 13 निगरानी केंद्रों का राष्ट्रीय मानक से ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओं के भरोसे पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। सर्दियों की शुरुआत होते ही तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में प्रदूषकों के ठहराव से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है।

अमावस्या पर दो माह के मासूम की बलि देने की थी साजिश, दिल्ली से पुलिस ने सकुशल बरामद किया



संवाददाता–महराजगंज। ठूठीबारी थाना क्षेत्र में दो माह के मासूम के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, अंधविश्वास के चलते मासूम की बलि देने की कथित साजिश रची गई थी। अमावस्या के दिन बच्चे की बलि देने की योजना थी। महराजगंज पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दिल्ली के कश्मीरी गेट बस स्टैंड से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। मामले में दो महिलाओं समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। तीन नवंबर की रात ग्राम राजाबारी टोला रमजीता निवासी गोविंद अपनी पत्नी और दो माह के बेटे विक्की के साथ घर में सो रहे थे। रात करीब दो से चार बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति घर में घुसा और मासूम को उठाकर ले गया। सुबह बच्चे के गायब होने की जानकारी हुई तो परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी।

पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन में ठूठीबारी पुलिस, एसओजी, स्वाट और सर्विलांस टीम ने संयुक्त रूप से जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से लेकर आसपास के रास्तों तक 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें सुबह करीब 3ः05 बजे एक संदिग्ध महिला बच्चे को लेकर जाती दिखाई दी। जांच में महिला की पहचान सावित्री के रूप में हुई। इसके बाद सर्विलांस की मदद से पुलिस टीम महराजगंज से दिल्ली तक पहुंच गई। पुलिस ने दिल्ली के कश्मीरी गेट बस स्टैंड पर सावित्री और करण कुमार गौतम के पास से मासूम विक्की को सकुशल बरामद कर लिया। बच्चे की पहचान उसके पिता से कराई गई। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया। मासूम की सकुशल वापसी से परिवार में खुशी लौट आई।

पुलिस पूछताछ में अंधविश्वास से जुड़ी कथित साजिश का खुलासा हुआ। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने बताया कि अमावस्या के दिन मासूम की बलि देने की योजना थी। उनका अंधविश्वास था कि ऐसा करने से सरस्वती का वर्षों से लापता पति और पुत्र वापस लौट आएंगे और परिवार में हो रही अकाल मृत्यु रुक जाएगी। पुलिस के मुताबिक, नेपाल के बैरियहवा में रहने वाले एक कथित झाड़–फूंक करने वाले व्यक्ति की सलाह पर यह साजिश रची गई थी।

पुलिस ने मामले में सावित्री, सरस्वती और करण कुमार गौतम को गिरफ्तार किया है। तीनों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई की जा रही है। बच्चे की बरामदगी में ठूठीबारी पुलिस, एसओजी, स्वाट, सर्विलांस टीम और डॉग स्क्वायड की अहम भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने टीम को 25 हजार रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

हनुमानगंज थाना परिसर में करंट से सिपाही की मौत



संवाददाता–कुशीनगर। सरकारी आवास की छत से कपड़ा उतारते समय 11 हजार वोल्ट की चपेट में आने से सिपाही की मृत्यु हो गई। थाना हनुमानगंज में शनिवार सुबह हुए इस हादसे के बाद अफरा–तफरी मच गई। पुलिस के उच्चाधिकारियों ने मौके पर पहुंच मामले की जानकारी ली। सिपाही अविवाहित थे। हादसे की खबर पाकर स्वजन कुशीनगर के लिए चल दिए हैं।

24 वर्षीय सिपाही दीपक कुमार गुप्त थाना हनुमानगंज में तैनात थे, और परिसर स्थित सरकारी आवास में रहते थे। बताया जा रहा कि सुबह कपड़ा धूल कर उन्होंने सूखने के लिए आवास की छत पर डाला था। लगभग साढ़े 11 बजे कपड़ा उतारने वे छत पर गए। इस बीच बगल से होकर गुजरे 11 हजार वोल्ट की चपेट में आने से वे मौके पर ही गिर पड़े। यह देख परिसर में मौजूद पुलिसकर्मी शोर मचाते हुए मौके की ओर भागे। दीपक को अचेत देख पुलिसकर्मी हैरान रह गए। आनन–फानन में थाने के वाहन से अचेत पड़े सिपाही को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुर्कहा ले जाया गया। वहां परीक्षण के पश्चात डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

सिपाही के मृत्यु की खबर मिलते ही थाने के पुलिसकर्मी दुरुखी हो गए। दीपक कुमार गुप्त मूल रूप से अंबेडकरनगर जिले के इब्राहिमपुर थाने के करमपुर बरसावां गांव के रहने वाले थे। 2024 बैच के सिपाही थे।

अप्रैल 2025 में थाना हनुमानगंज में उनकी तैनाती हुई थी। सीओ अजय श्रीवास्तव ने बताया कि कपड़ा उतारते समय हाई वोल्ट करंट की चपेट में आने से सिपाही की मृत्यु हो गई। उनके स्वजन को इसकी सूचना दे दी गई है, वे कुशीनगर के लिए चल दिए हैं।

दिल्ली से बिहार जा रही बस कुशीनगर में दुर्घटनाग्रस्त, तीन की मौत और 12 घायल

संवाददाता–कुशीनगर। दिल्ली के आनंद विहार से बिहार के मुजफ्फरपुर जा रही लग्जरी बस शनिवार की भोर में पटहेरवा थाना क्षेत्र के लबनिया गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग पर आगे चल रहे ट्रक को ओवरटेक करने के प्रयास में बस अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई। हादसे में चार वर्षीय बच्ची समेत दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का बायां हिस्सा आगे से मध्य तक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद बस में चीख–पुकार मच गई। ग्रामीणों ने शीशे तोड़कर कई यात्रियों को बाहर निकाला।



शनिवार की भोर में बस चालक आगे चल रहे ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान बस अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई। ट्रक की बॉडी से रगड़ लगने के कारण बस के बाएं हिस्से में आगे से मध्य तक की सीटें और बॉडी क्षतिग्रस्त हो गईं। इस तरफ बैठे कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। बस के केबिन में बैठी कुमारी नंदनी (4) पुत्री पवन कुमार निवासी तरया लक्षिराम, थाना तरयासुजान और करीब 35 वर्षीय एक अज्ञात युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल अमृता देवी (34) पत्नी दिलीप कुशवाहा निवासी रामकोला चट्टी, थाना तमकुहीराज, गोपाल थापा (39) और संदेश मयाली (39) निवासी गुरौरादा, जिला जापा (नेपाल), करुणा (21) निवासी रामपुर, उदयपुर (नेपाल), धीरेंद्र शाह (36) निवासी कमालपुर, थाना पारू, मुजफ्फरपुर, कुणाल कुमार (38) व शत्रुघ्न कुमार (43) निवासी सीतामढ़ी, थाना डुमरी, मुन्नीलाल कुशवाहा (50) निवासी तरया लक्षिराम, थाना तरयासुजान तथा आरती शाह (21) पत्नी अमित शाह निवासी ब्रह्मपुर, थाना मोतीपुर, मुजफ्फरपुर समेत अन्य यात्री शामिल हैं।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य कराया। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तमकुहीराज पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल पांच यात्रियों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जबकि शेष का उपचार सीएचसी में चल रहा है। दुर्घटना के बाद बस और ट्रक दोनों के चालक मौके से फरार हो गए। क्षतिग्रस्त वाहनों के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन बाधित हो गया। पुलिस ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद वाहनों को हटवाकर यातायात बहाल कराया। थानाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने बताया कि दुर्घटना में एक बच्ची समेत दो यात्रियों की मृत्यु हुई है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

फर्जी शादी का प्रमाणपत्र दिखाकर इंजीनियर से 17 लाख ठगे

संवाददाता–गोण्डा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने दिल्ली गए गोंडा के बीटेक इंजीनियर को फर्जी शादी और फोटो के जाल में फंसाकर 17 लाख रुपए वसूल लिए गए। आरोप है कि युवक पर शादी का दबाव बनाया गया। इनकार करने पर फर्जी विवाह प्रमाणपत्र तैयार कर उसे बदनाम करने और फोटो वायरल करने की धमकी दी गई। पीड़ित की शिकायत पर सुनवाई नहीं हुई तो उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर नगर कोतवाली पुलिस ने गुरुवार शाम करीब 6 बजे पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। भटवलिया गांव निवासी व्यंकटेश तिवारी पुत्र जितेंद्र तिवारी के मुताबिक, उन्होंने त्रिपुरा के अगरतला से बीटेक की पढ़ाई की है। वर्ष 2023 में इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए दिल्ली के कटवारिया सराय में किराए पर कमरा लिया था।

आरोप है कि कुछ समय बाद हरिश्चंद्र ने एक फर्जी फोटो दिखाकर अपनी बेटी साक्षी से शादी करने का दबाव बनाया। व्यंकटेश ने इनकार किया तो आरोपियों ने कथित तौर पर आर्य समाज मंदिर का फर्जी विवाह प्रमाणपत्र तैयार कर लिया। इसके बाद उन्हें शादीशुदा बताकर बदनाम करने की धमकी दी जाने लगी। फोटो वायरल करने की धमकी देकर घर से पैसे मंगाने का दबाव बनाया गया। इन धमकियों से परेशान होकर व्यंकटेश दिल्ली से वापस गोंडा आ गए। बाद में उनकी नौकरी लखनऊ की एक निजी कंपनी में लग गई।

व्यंकटेश के मुताबिक, उनके पिता ने किराए के मकान में रहने के बजाय अपना घर खरीदने की सलाह दी। इसके लिए जमीन बेचकर 14 लाख रुपए दिए। यह रकम 20 अगस्त 2024 को केनरा बैंक खाते में जमा कराई गई थी। आरोप है कि इसकी जानकारी आरोपियों को हुई तो उन्होंने फोन पर धमकाना शुरू कर दिया। डर के कारण व्यंकटेश ने हरिश्चंद्र के कहने पर उसकी दूसरी बेटी हेमा के खाते में यूपीआई से 50 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद 24 जुलाई 2024 को हरिश्चंद्र और साक्षी गोंडा स्थित उनके कमरे पर पहुंचे। यहां समाज में फोटो वायरल करने की धमकी देकर 50 हजार रुपए और ले लिए।

पीड़ित के अनुसार, बदनामी के डर से उन्होंने अलग–अलग तारीखों पर आरोपियों के बताए खातों में रकम भेजी। सुशिका बंसल के खाते में पांच लाख रुपए बैंक के माध्यम से जमा कराए गए। इसके अलावा तीन लाख रुपए नकद जमा कराए गए। 18 सितंबर को तरुण के खाते में एक लाख रुपए और 21 सितंबर को 18 हजार रुपए यूपीआई से भेजे गए। 22 सितंबर को साक्षी के खाते में भी रकम भेजी गई। आरोप है कि हरिश्चंद्र ने खुद चार लाख रुपए नकद लिए। इस तरह बैंक, यूपीआई और नकद के जरिए कुल 17 लाख रुपए वसूले गए। लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर व्यंकटेश ने पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों से शिकायत की।

दादा, पोते और भांजे की ताल में डूबकर दर्दनाक मौत, एनडीआरएफ ने निकाले शव

संवाददाता–देवरिया। दादा के साथ शुक्रवार की सुबह घर से टहलने निकले मासूम का शव गांव के पास ताल से बरामद किया गया है। दादा और भांजा की तलाश में एनडीआरएफ की टीम तालाश में खोजबीन कर रही है। ताल किनारे चप्पल और खिलौने और मासूम शिवांश का शव बरामद होने के बाद उन दोनों के भी तालाब में डूबने की आशंका में खोजबीन के लिए एनडीआरएफ की टीम लगाई गई। दोपहर बाद उन दोनों के भी शव बरामद कर लिए गए।



यह घटना लार थाना क्षेत्र के नेमा गांव की है। मासूम शिवांश शुक्रवार की सुबह अपने दादा और बुआ के बेटे के साथ घर से टहलने निकला था। देर शाम तक तीनों के वापस नहीं लौटने पर स्वजन उनकी तलाश में जुट गए। पूरी रात खोजबीन के बाद शनिवार की सुबह ताल किनारे बच्चों का खिलौना और चप्पल मिलने से अनहोनी की आशंका गहरा गई। ग्रामीणों ने ताल में तलाश शुरू की तो शिवांश का शव दिखाई दिया। पुलिस ने मछुआरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। वहीं, दादा और दूसरे बच्चे को ढूंढने के लिए एनडीआरएफ की टीम लगाई गई। दोपहर बाद उन दोनों के भी शव बरामद कर लिए गए।

जानकारी के अनुसार, नेमा गांव निवासी पीतांबर चौहान (60) शुक्रवार की सुबह करीब 6:30 बजे अपने छह वर्षीय पोते शिवांश और बेटी किरण के बेटे दिव्यांशु को लेकर टहलने निकले थे। देर शाम तक तीनों के घर नहीं लौटने पर परिवार के लोग परेशान हो गए। इसके बाद स्वजन और ग्रामीण पूरी रात उनकी तलाश करते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। शनिवार की सुबह गांव के बाहर स्थित ताल के पास एक नाव में बच्चों का खिलौना दिखाई दिया।

संदेह होने पर लोग वहां पहुंचे तो किनारे पर चप्पल भी मिली। इसके बाद ग्रामीणों ने ताल और आसपास के इलाके में तलाश शुरू कर दी। कुछ देर बाद ताल में शिवांश का शव दिखाई दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मछुआरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। शिवांश गांव के ही एक निजी विद्यालय में नर्सरी का छात्र था।

उधर, शिवांश की मां किरण चौहान शुक्रवार को अपने पति दारा चौहान और बेटे दिव्यांशु के साथ मायके आई थी। वह शुक्रवार को ही अपने ससुराल मऊ जनपद के मधुबन गांव जाने की तैयारी कर रही थी। इसी बीच पिता और बेटे के लापता होने से परिवार की चिंता बढ़ गई। शनिवार की सुबह शिवांश का शव मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बेटे का शव देखकर मां और पिता का रो–रोकर बुरा हाल था। किरण और उसके पति अपने इकलौते बेटे को देखने के लिए व्याकुल थे। वहीं, परिवार के लोग पीतांबर और दिव्यांशु को भी बार–बार याद कर रहे थे। लार थाना प्रभारी निर्भय सिंह ने बताया कि लापता अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

पिता की डांट से नाराज बेटियों ने मां को ही घर में किया कैद, फिर हो गईं फरार

संवाददाता–कुशीनगर। मोबाइल बात करने से मना करते हुए पिता ने डांटा तो दो पुत्रियां रात को अपनी मां को कमरे में बंद कर फरार हो गईं। नाबालिगों द्वारा इस घटना को दिए गए अंजाम के दो दिन बाद गुरुवार को मां ने तहरीर सौंपी तो गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस तलाश में जुटी है। मामला पटहेरवा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पीड़िता नूर बेगी द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में बताया गया है कि, उनकी दोनों पुत्रियां जिनकी उम्र 15 व 14 वर्ष है, बीते चार नवंबर की शाम मोबाइल से किसी से बात कर रही थीं। मेरे पति द्वारा मना करते हुए डांट लगाई तो उस समय दोनों ने मोबाइल से बात करना बंद कर दिया। रात को दोनों मेरे साथ सो रही थीं, सुबह नींद खुली तो कमरे के दरवाजे पर बाहर ताला लगा मिला और दोनों गायब मिलीं। काफी खोजबीन की गई, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा।

डीएम और एसपी ने जरूरतमंदों को मिठाई–पटाखे बांटे



संवाददाता–महराजगंज। दीपावली का त्योहार हर किसी के जीवन में खुशियां लेकर आए, इसी उद्देश्य से जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं।

इस दौरान जिलाधिकारी और एसपी ने लोगों से मुलाकात कर उन्हें दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं। अधिकारियों ने उनके बीच समय बिताया और आत्मीयता के साथ त्योहार की खुशियां बांटीं। मिठाई और पटाखे पाकर बच्चों और परिवारों में खासा उत्साह देखने को मिला। अधिकारियों की इस पहल से जरूरतमंद परिवारों को भी दीपावली का त्योहार खुशियों के साथ मनाने का अवसर मिला।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की इस पहल का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक त्योहार की खुशियां पहुंचाना और जरूरतमंदों को यह एहसास कराना रहा कि वे भी समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। अधिकारियों ने अपने इस प्रयास के जरिए आपसी प्रेम, भाईचारे, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं का संदेश दिया। दीपावली के अवसर पर प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों की इस पहल की सराहना की जा रही है। यह प्रयास बताता है कि त्योहारों की असली खुशी दूसरों के चेहरों पर मुस्कान लाने और जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटने में है।

राम मंदिर में दृष्टिबाधित श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन की पहल, 800 मीटर में लगाए गए ब्रेल पैनल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दृष्टिबाधित श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आईटीसी मंगलदीप की ओर से विशेष पहल की गई है। 'हर भक्त श्री राम तक' अभियान के तहत मंदिर परिसर में 800 मीटर लंबे मार्ग पर स्पर्श–संवेदनशील और ब्रेल पैनल लगाए गए हैं। दीपोत्सव के अवसर पर शनिवार को इस परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन किया गया। इस व्यवस्था से दृष्टिबाधित श्रद्धालु स्पर्श और ब्रेल लिपि के माध्यम से मार्ग की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और मंदिर परिसर में अधिक सहजता से आवागमन कर सकेंगे।



इस पहल का उद्देश्य दृष्टिबाधित श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में स्वतंत्र रूप से रास्ता पहचानने और सम्मान के साथ दर्शन करने की सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके लिए मंदिर परिसर की मौजूदा व्यवस्था में सुगमता से जुड़ी सुविधाओं को शामिल किया गया है। कंपनी के अनुसार, लगाए गए पैनल श्रद्धालुओं को स्पर्श के माध्यम से दिशा और आवश्यक जानकारी समझने में मदद करेंगे।

'हर भक्त श्री राम तक' अभियान के माध्यम से देशभर के श्रद्धालुओं को इस पहल से जोड़ने का प्रयास किया गया। रामसेतु की संकल्पना से प्रेरित डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लोगों को अपनी–अपनी भाषा में 'राम' लिखने का आमंत्रण दिया गया था। प्रत्येक डिजिटल भागीदारी को मंदिर परिसर में दृष्टिबाधित श्रद्धालुओं के लिए सुगम मार्ग तैयार करने के सामूहिक प्रयास से जोड़ा गया। कंपनी के मुताबिक, इस अभियान में देशभर के 3.45 लाख से अधिक लोग शामिल हुए। उनकी सहभागिता से मंदिर परिसर में 800 मीटर के दायरे में ब्रेल–सक्षम पैनल लगाने के पहले चरण को पूरा करने में सहयोग मिला।डिजिटल अभियान को जमीनी स्तर पर आगे बढ़ाते हुए उद्घाटन के दिन सरयू घाट पर 1.5 लाख दीप भी प्रज्वलित किए गए। कंपनी की ओर से प्रत्येक डिजिटल भागीदारी के साथ एक दीप जलाने की संकल्पना रखी गई थी। इसके माध्यम से देशभर के श्रद्धालुओं की व्यक्तिगत आस्था को सामूहिक उत्सव का स्वरूप देने का प्रयास किया गया।इस अवसर पर आईटीसी के मैचेस एंड अगरबत्ती डिवीजन के डिविजनल सीईओ रोहित डोगरा ने कहा कि मंगलदीप का मानना है कि भक्ति का अनुभव हर व्यक्ति के लिए सुलभ होना चाहिए। हर श्रद्धालु को अपनी क्षमता और परिस्थिति के अनुसार पूजा–अर्चना एवं दर्शन का अवसर मिलना चाहिए। 'हर भक्त श्री राम तक' पहल के जरिए तकनीक और सामूहिक भागीदारी को एक सार्थक उद्देश्य से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में स्पर्श–संवेदनशील और ब्रेल–सक्षम पैनल स्थापित होना इस अभियान के पहले चरण की पूर्णता का प्रतीक है। इससे दृष्टिबाधित श्रद्धालुओं के लिए दर्शन का अनुभव अधिक सहज और सुलभ बनाने में मदद मिलेगी। देशभर के श्रद्धालुओं की भागीदारी यह दर्शाती है कि आस्था लोगों को एक साझा उद्देश्य के लिए जोड़ने की क्षमता रखती है।

अयोध्या में आईटीसी मंगलदीप की यह पहली पहल नहीं है। इससे पहले कंपनी की ओर से 'खुशबू पथ' के माध्यम से भक्तिमय सुगंध से उत्सव के वातावरण को खास बनाने का प्रयास किया गया था। वहीं, 'डिजिटल दीपोत्सव' अभियान के तहत 1.3 लाख से अधिक डिजिटल दीयों को अयोध्या में वास्तविक दीयों के रूप में प्रज्वलित किया गया था। अब 'हर भक्त श्री राम तक' अभियान के माध्यम से कंपनी ने तकनीक, सामूहिक आस्था और सामाजिक समावेश को जोड़ते हुए दृष्टिबाधित श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन की दिशा में कदम बढ़ाया है।

अखिलेश ने धीरेंद्र शास्त्री को रोकने की बात गलत कहीः गोंडा में बृजभूषण बोले– राहुल 5 मिनट में मोदी को देशद्रोही साबित कर देंगे

संवाददाता–गोण्डा। कैसरगंज से पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अखिलेश यादव, राहुल गांधी और अमित शाह के बयानों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। अखिलेश यादव की ओर से कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के उत्तर प्रदेश आने को लेकर किए गए विरोध पर बृजभूषण ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने ऐसा कहा है तो उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए था। धीरेंद्र शास्त्री के आने का विरोध करना गलत है। वहीं, राहुल गांधी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डिबेट की चुनौती और अमित शाह की ओर से राहुल गांधी को जवाब देने की चुनौती पर भी बृजभूषण ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी 5 मिनट में मोदी जी को देशद्रोही साबित कर देंगे।



अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर धीरेंद्र शास्त्री के उत्तर प्रदेश आने में रोक लगाने की मांग पर बृजभूषण शरण सिंह ने कहा– ऐसा नहीं कहना चाहिए। यह गलत है। राहुल गांधी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डिबेट की चुनौती देने और अमित शाह की ओर से राहुल गांधी को चुनौती दिए जाने पर बृजभूषण ने कहा कि अमित शाह को भी राहुल गांधी से डिबेट करने की कोई जरूरत नहीं है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा– सौभाग्य से राहुल गांधी सांसद भी हैं और नेता प्रतिपक्ष भी हैं। वह पांच मिनट में मोदी जी को देशद्रोही साबित कर देंगे। हम संसदीय कार्य मंत्री से आग्रह करेंगे कि राहुल और उनकी पार्टी को पांच दिन का समय दिया जाए। वह जितने आरोप लगाना चाहें, लगा दें। इसके बाद पार्टी की तरफ से उन आरोपों का जवाब दे दिया जाएगा। बृजभूषण ने कहा कि अगर राहुल गांधी को कोई आरोप साबित करना है तो उन्हें संसद में अपनी बात रखनी चाहिए। जिस जगह पर बोलने का अधिकार है, वहां वे अपनी बात नहीं रखते और चौराहे पर डिबेट करना चाहते हैं। उन्होंने कहा– भारत के संविधान में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है कि लोग चौराहे पर डिबेट करें। अगर डिबेट करनी है तो संसद में करें। उनको कोई गंभीरता से नहीं लेता है। अगले 10–15 दिन में संसद का सत्र शुरू होने वाला है। उन्हें अपनी बात वहीं रखनी चाहिए। पूर्व सांसद ने आगे कहा– अमित शाह तो बहुत बड़ी चीज हैं और मोदी तो बहुत बड़ी चीज हैं। आपको डिबेट करनी है तो संसद के अंदर करनी पड़ेगी। उनकी बातों का जवाब देने के लिए हर व्यक्ति सक्षम है। दीपोत्सव पर बोले– बताया जा रहा है कि 30 लाख दीये जलाकर रिकॉर्ड बनने जा रहा है। यह भी अच्छा है। लोग परेशान हैं, जनता परेशान है, यह भी अच्छा है।

बृजभूषण ने मिलावटी खाद्य पदार्थों और नकली घी–पनीर के कारोबार पर कहा कि बाजार में नकली खाद्य पदार्थों की भरमार है। बड़ी–बड़ी ब्रांडेड कंपनियां भी मिलावट करके अपना सामान बेच रही हैं। जनता के पास दूसरा विकल्प नहीं है, इसलिए मजबूरी में वही सामान खरीद रही है। उन्होंने कहा– अगर सही तरीके से जांच की जाए तो हर चौराहे पर नकली पनीर बनाने और बेचने वालों की दुकानें मिल जाएंगी। बाजार में मिलावट का कारोबार बड़े स्तर पर चल रहा है।

शहीदों की याद में जलाए 501 दीप



संवाददाता–बहराइच। दीपावली की पूर्व संध्या पर शनिवार शाम पांच बजे शहीद स्मारक स्थल पर 'एक दीया शहीदों के नाम' कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतिभा संरक्षण सेवा न्यास के पदाधिकारियों और सदस्यों ने 501 दीप जलाकर देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान देश की आजादी के लिए प्राण न्योछावर करने वाले क्रांतिकारियों और सीमाओं की रक्षा करते हुए बलिदान देने वाले जवानों को नमन किया गया। न्यास के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि संगठन पिछले 10 वर्षों से दीपावली से एक दिन पहले शहीदों की स्मृति में दीप जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है।

आजादी के लिए फांसी पर चढ़ने वाले क्रांतिकारियों और देश की रक्षा करते हुए बलिदान देने वाले जवानों का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके बलिदान की वजह से ही आज हम आजादी और सुरक्षा के साथ त्योहार मना रहे हैं। कार्यक्रम में प्रदेश संरक्षक घनश्याम वाजपेई, प्रदेश महासचिव छव कुमार मिश्र, प्रदेश महामंत्री संजय सिंह, प्रदेश महिला विंग अध्यक्ष एकता जायसवाल और प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अनंतराम निषाद मौजूद रहे। इसके अलावा रोहित वर्मा, रिशु चौधरी, कृष्ण कुमार मिश्र, बजरंगबली पाठक, सुरेश श्रीवास्तव, राजकिशोर, राजन शुक्ल, अशोक मद्धेशिया, राकेशनाथ त्रिपाठी, मंजू निगम, सुष्मिता वर्मा, हफीजा, अमरीश सिंह, शंभू पाण्डेय, सिद्धांत पाण्डेय, शिवेंद्र प्रताप सिंह, शशि गुप्ता, पुंडरीक पाण्डेय, आदर्श शुक्ल, शिवम और अम्बरीष शुक्ल सहित अधिवक्ता और संगठन के सदस्य मौजूद रहे।

आज वनटांगियों के साथ दीपावली मनाएंगे सीएम योगी वनग्राम हो रहा तैयार, 78 करोड़ की सौगात भी देंगे



संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ दीपोत्सव मनाने के लिए वनग्राम तैयार हो रहा है। रविवार को योगी जंगल तिनकोनिया नंबर तीन में वनटांगियों के साथ दीपावली पर्व मनाएंगे। इस दौरान 78 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी देंगे। वनटांगियों के जीवन से उपेक्षा का अंधेरा मिटाकर विकास और खुशहाली की रोशनी पहुंचाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस दीपावली भी उनके बीच होंगे। वनटांगियों के साथ दीपावली मनाने का योगी का सिलसिला 2006 में शुरू हुआ, जब वह सांसद थे। 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद भी यह सिलसिला थमा नहीं। मुख्यमंत्री के रूप में वनग्राम में यह उनकी लगातार 10वीं दीपावली होगी। वनटांगियों को भी दीपपर्व का इंतजार पूरे साल रहता है। शुक्रवार को वनटांगिया बस्ती जाने वाली सड़कें चकाचक मिलीं। दीपोत्सव के लिए जर्मन हैंगर लगाने का काम जोरों पर था। हेलीपैड के साथ रेस्ट रूम को भी तैयार किया जा रहा है। गांव की सभी स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त कर जांची गईं। बस्ती के लोग मुख्यमंत्री के स्वागत में अपने घर और द्वार की साफ–सफाई में जुटे मिले।

एक समय ऐसा था, जब वनटांगिया समुदाय के लोग जंगल में रहते हुए भी बुनियादी सुविधाओं और अधिकारों से वंचित थे। आजादी के 71 साल बाद भी उपेक्षा झेल रहे इस समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने की पहल योगी आदित्यनाथ ने सांसद रहते की थी। उनकी पहल पर सदन में वनाधिकार कानून पारित हुआ। वर्ष 2010 में अधिकार पत्र मिला, लेकिन राजस्व गांव का दर्जा अक्टूबर 2017 में तब मिला जब योगी मुख्यमंत्री बने। इसके बाद गोरखपुर और महराजगंज के 23 वनटांगिया गांवों के विकास की राह खुली। इसके बाद प्रदेश की 38 अन्य वनवासी बस्तियों तक भी विकास और अधिकारों की पहुंच बढ़ी।

आयोजन स्थल पर केंद्र और प्रदेश सरकार की लाभार्थीपरक योजनाओं के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। इसके लिए सभी विभागों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी देकर लाभार्थियों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही मौके पर ही पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाएगा।

जंगल तिकोनिया नंबर तीन में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर उत्साह चरम पर है। गांव के लोगों के लिए योगी आदित्यनाथ अब सिर्फ मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य सरीखे हैं। उनके और वनटांगिया समुदाय के बीच बना अपनत्व का रिश्ता पीढ़ियों की स्मृतियों में दर्ज है। यही वजह है कि दीपावली पर गांव के बुजुर्ग भी बच्चों जैसी जिद करते हैं कि बाबा नहीं आएंगे तो दीये नहीं जलाएंगे। तिनकोनिया गांव के रामगणेश कहते हैं कि गांव में यह कहावत जैसी बन गई है कि दीपोत्सव का हर दीप योगी बाबा के नाम से जलता है। वनटांगिया समुदाय के लिए दीपावली अब सिर्फ रोशनी और आतिशबाजी का त्योहार नहीं, बल्कि सम्मान, पहचान और अपनेपन का उत्सव भी है। हर साल मुख्यमंत्री का उनके बीच पहुंचना इस समुदाय को भरोसा देता है कि विकास की मुख्यधारा में उनकी जगह सुनिश्चित है। इस बार भी गांव के लोग अपने 'बाबा' के स्वागत के लिए उत्साहित हैं। मुख्यमंत्री के साथ दीपावली मनाने और विकास कार्यों की सौगात पाने की उम्मीद ने गांव के उत्सव को खास बना दिया है। रविवार को वनटांगिया गांव जंगल तिकोनिया नंबर तीन के मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिले की कई ग्राम पंचायतों को 78 करोड़ रुपये का दिवाली उपहार देंगे। इस दौरान 74.12 करोड़ रुपये की लागत वाली 24 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही 3.88 करोड़ रुपये की लागत वाली 20 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इन परियोजनाओं में अधिकांश विभिन्न गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विकास से जुड़े कार्य हैं। शिलान्यास होने वाले कार्यों में कुसम्ही जंगल के तहत इको पार्क का विकास भी शामिल है। इसे कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम 4.85 करोड़ रुपये से विकसित करेगी। इसके अलावा नगर पंचायत पिपराइच में 1.92 करोड़ रुपये से वैश्विक नगर बाजार का निर्माण किया जाएगा। इसका निर्माण कार्यदायी संस्था सीएंडडीएस, उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) की यूनिट–14 करेगी। इसके लिए 96 लाख रुपये अवमुक्त हो चुके हैं। 26 नवंबर को टेंडर की प्रक्रिया भी पूरी हो जाएगी।

गन्ना क्रय केंद्र दूसरी जगह ले जाने का किसानों ने किया विरोध

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। विकासखण्ड क्षेत्र जहांगीरगंज के ब्रह्मचारी बाबा गन्ना क्रय केंद्र को भरतपुर से हटाकर भरौली गांव के पास स्थापित किए जाने की तैयारी का किसानों ने विरोध किया है। किसानों ने मौके पर पहुंचकर अपनी नाराजगी जताते हुए गन्ना क्रय केंद्र को पूर्व की तरह ब्रह्मचारी बाबा कुटी के पास ही संचालित करने की मांग की।

किसानों का कहना है कि पहले यह क्रय केंद्र भरतपुर में लगता था, जिससे आसपास के किसानों को गन्ना तौल कराने में काफी सहूलियत होती थी। अब इसे हटाकर भरौली गांव के पास स्थापित किए जाने से किसानों को अधिक दूरी तय करनी पड़ेगी। इसके अलावा प्रस्तावित स्थान पर पर्याप्त जगह भी नहीं है। ऐसे में गन्ना लेकर आने वाले किसानों और ट्रैक्टर–ट्रालियों को आवागमन व खड़े होने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

किसानों ने कहा कि गन्ना क्रय केंद्र का स्थान निर्धारित करते समय किसानों की सुविधा, दूरी और पर्याप्त जगह का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। किसान धर्मेंद्र यादव, रामा यादव, गुलाब यादव, महावीर, दिनेश, विश्वनाथ यादव, संजय और अनिल समेत बड़ी संख्या में किसानों ने भरौली में क्रय केंद्र स्थापित किए जाने पर आपत्ति जताई। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता मित्रसेन यादव ने भी किसानों की मांग का समर्थन करते हुए संबंधित अधिकारियों से किसानों की सुविधा के अनुसार क्रय केंद्र स्थापित कराने की मांग की है।

भाजपा महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी घोषित

संवाददाता–गोरखपुर। भाजपा महिला मोर्चा गोरखपुर जिला की जिलाध्यक्ष पूजा सिंह कौशिक ने शनिवार को जिला कार्यकारिणी घोषित कर दी। उन्होंने रूचिका मिश्रा, ललिता तिवारी, अनिता यादव, सुनीता मद्धेशिया, रागिनी पाण्डेय, वन्दना सिंह, रेनू पाण्डेय, संगीता पासवान को जिला उपाध्यक्ष, सरोज सिंह, माया मिश्रा, कुमकुम सिंह को जिला महामंत्री नियुक्त किया है। वहीं सुलोचना शर्मा, रीमा सिंह, रंजना त्रिपाठी, पूनम सिंह, पुष्पान्जली पाण्डेय, सुमन पाण्डेय, नीलम राजभर व प्रेमलता पासवान को जिला मंत्री, रीना सिंह को जिला कोषाध्यक्ष, प्रिया शुक्ला को जिला मीडिया संयोजक और कात्यायनी पाण्डेय को जिला मीडिया सह–संयोजक नियुक्त किया है। प्रतिमा सरोज को जिला सोशल मीडिया संयोजक और विजयकान्ती पाण्डेय को जिला सोशल मीडिया सह–संयोजक, काजल गुप्ता को जिला आईटी संयोजक, सोनू सिंह को जिला आईटी सह–संयोजक नियुक्त किया है।

जीरो प्वाइंट के पास अचेत मिले अज्ञात व्यक्ति की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के जीरो प्वाइंट के पास पांडेय ढाबा के निकट शनिवार को अचेत अवस्था में मिले एक अज्ञात व्यक्ति की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। पुलिस ने शव को मर्चरी में रखवा दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को सूचना मिली कि पांडेय ढाबा के पास एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस उसे तत्काल सीएचसी पिपरौली ले गई। वहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल से भी उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस आसपास के गांवों और क्षेत्रों में मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। साथ ही आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुटी है।

सांसद ने सफाई कर्मचारियों को उपहार दिए दीपावली पर अंगवस्त्र और मिठाई बांटी



संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सांसद जगदंबिका पाल ने दीपावली पर इटवा ब्लॉक सभागार में सफाई कर्मचारियों को अंगवस्त्र और मिठाई बांटी। कार्यक्रम शनिवार को हुआ। इसमें जयवर्धन तिवारी भी मौजूद रहे। सांसद ने कहा हमें त्योहार को आपसी भाईचारे में मिलजुल कर मनान चाहिए सभी कर्मचारियों अपने कार्यों के प्रति सजग रहें। कार्यक्रम का संचालन सुनील पांडेय ने किया। आयोजकों ने कहा कि दीपावली आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सदभाव का त्योहार है। इस मौके पर कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में ब्लॉक और नगर इटवा में सफाई के काम की सराहना की गई। जयवर्धन तिवारी ने कहा कि क्षेत्र के कर्मचारियों का सम्मान करना चाहिए।

इस मौके पर सुधीर तिवारी, बब्बू तिवारी, शिवकुमार वर्मा, लक्ष्मी रमण त्रिपाठी, मोहन मिश्रा, माधव यादव, राम निवास उपाध्याय, जमींदार अग्रहरि, अखंड पाल सिंह, राजू कसौधन, सागर चौधरी, मोना पांडेय और सुभाष जायसवाल राजेश द्विवेदी, संजय सिंह, जय प्रकाश, पवन कुमार और हनुमान प्रसाद भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

बसपा कार्यकर्ता समीक्षा बैठक में सरकार बनाने का लक्ष्य

संवाददाता–गोरखपुर। बहुजन समाज पार्टी ने शनिवार को नौसड़ स्थित शिवम लॉन में मंडल स्तरीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक की। मुख्य अतिथि मुख्य मंडल प्रभारी डॉ. मदन राम ने कहा कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए कार्यकर्ता अभी से बूथ और सेक्टर कमेटियों को मजबूत करने में जुट जाएं। पार्टी का लक्ष्य 2027 में बहन मायावती को फिर से मुख्यमंत्री बनाना है। उन्होंने कहा कि छह दिसंबर को बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस लखनऊ में भव्य रूप से मनाया जाएगा। इसमें बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती शामिल होंगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ, विधानसभा, जिला और मंडल स्तर तक अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की। कहा कि कार्यकर्ताओं को पिछले वर्ष का रिकॉर्ड तोड़ना है। डॉ. मदन राम ने कहा कि विधानसभा चुनाव बनी भी हो सकते हैं। इसलिए भाईचारा बनाकर संगठन को मजबूत करना होगा।बैठक की अध्यक्षता कर रहे मुख्य मंडल प्रभारी सुधीर कुमार भारती ने कहा कि दबे–कुचले, शोषित और वंचित समाज की आवाज बसपा है। विशिष्ट अतिथि सुरेश कुमार गौतम, कमलेश कुमार गौतम और अमरचंद दुबे ने भी विचार रखे। इस दौरान जिलाध्यक्ष जयकार प्रसाद, अस्मिता चंद, परमेश्वर उर्फ छोटू सहारा, मंडल संयोजक हरिप्रकाश निषाद, सुरेंद्र भारती, ओम नारायण पांडेय, लीलावती देवी आदि पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आरओ की दुकान में लगी आग, 45 मिनट के बाद पाया काबू

संवाददाता–गोरखपुर। तिवारीपुर थाना क्षेत्र के सूर्यविहार कॉलोनी में शनिवार रात तपीश यादव की शिवांसी इंटरप्राइजेज नाम की आरओ की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार देखकर आसपास के लोगों में अफरा–तफरी मच गई। एहतियातन लोग घरों से बाहर निकल आए। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर सर्विस की टीम ने करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग पर काबू पाने से आसपास की दुकानें और मकान इसकी चपेट में आने से बच गए। सीएफओ संतोष कुमार राय ने बताया कि दुकान में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

क्षेत्रीय कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0

नवीन मण्डी स्थल–बस्ती

पत्रांक: नि0ब0/(निविदा पत्रावली)/2026–552 दिनांक 06–11–2026

–: ई–निविदा शुद्धि पत्र :–

कार्यालय पत्रांक नि०ब०/ (ई–निविदा) / 2026–528 दिनांक 30.10.2026 द्वारा ई–टेंडरिंग के माध्यम से दिनांक– 17.11.2026 को अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रित की गयी थी। उक्त निविदायें अपरिहार्य कारणों से दिनांक 24.11.2026 को आमंत्रित की जाती है। निविदा वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर दिनांक– 24.11.2026 को 12.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है। निविदाओं की तकनीकी बिड़ें दिनांक–24.11.2026 को 12.30 बजे से अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेगी । तकनीकी बिड उपयुक्त पाये जाने के उपरान्त ही वित्तीय बिडें खोली जायेगी। शेष नियम एवं शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

उपनिदेशक (निर्माण)
तद्दिनांक।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–750/2024
गुड़िया देवी आदि बनाम राजेन्द्र प्रसाद वर्मा आदि

1 राजेन्द्र प्रसाद वर्मा उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र पतिराम 2. बलजीत चौहान उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्र दुखी निवासीगण ग्राम बेलवरिया जंगल तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

3. बालमुकुन्द उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्र राम प्रकाश निवासी ग्राम बेलवरिया जंगल तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

4. कलिकराम उम्र45 वर्ष पुत्र काशीराम निवासी ग्राम बरहपेड़ा बेलवरिया जंगल तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 5. जयराम उम्र 40 वर्ष पुत्र श्रीराम 6. झिनकू उम्र 32 वर्ष पुत्र जगदीश निवासीगण ग्राम हलुआ तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 7. राज कुमार पुत्र गंगाराम उम्र 30 वर्ष 8. राजेन्द्र उम्र 50 वर्ष पुत्र सीताराम 9. रंजीत चौहान उम्र 35 वर्ष पुत्र दुखीराम निवासीगण ग्राम बरहपेड़ा बेलवरिया जंगल तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 10. विजयनाथ उम्र 45 वर्ष पुत्र रामउग्रह ग्राम अजगयवा जंगल तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 11. चन्द्रावती देवी उम्र 50 वर्ष पत्नी रामतेज 12. मीरा देवी उम्र 45 वर्ष पत्नी रामतौल 13. संतरा देवी उम्र 42 वर्ष पत्नी रामतेज 14. संजीत कुमार वर्मा उम्र 40 साल पुत्र झिनकान निवासीगण ग्राम बरहपेड़ा बेलवरिया जंगल तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–11–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्लई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 07 माह 11 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–991/2024
बृजबहादुर सिंह आदि बनाम नन्दलाल आदि

1. नन्दलाल उम्र लगभग 45 साल पुत्र ज्ञानदास 2. बृजलाल उम्र लगभग 65 साल पुत्र भगेलू 3. श्यामलाल उम्र लगभग 60 साल पुत्र ईश्वरदीन 4. अली अहमद उम्र लगभग 68 साल मिनकू खां 5. हरीराम उम्र लगभग 65 साल पुत्र बरसाती 6. राकेश कुमार उम्र लगभग 35 साल पुत्र रामकुमार निवासीगण ग्राम बभना पुत्या अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

तारीख पेशी 05–01–2027

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 01 सन 2027 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्लई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–27/2026
मुकेश वर्मा बनाम जानकी वर्मा

1 जानकी वर्मा उम्र 32 वर्ष पत्नी मुकेश वर्मा निवासी वार्ड नं0–9 सम्राट नगर नगर पंचायत हर्रैया तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती –प्रतिवादिनी

तारीख पेशी 25–11–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्लई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 296/2026
1–सुभद्रा पाण्डेय पत्नी अखिलेश कुमार पाण्डेय 2. पूजा पाण्डेय पत्नी उमेश पाण्डेय 3. राकेश कुमार पाण्डेय पुत्र नरेन्द्र पाण्डेय 4. रमेश कुमार पाण्डेय पुत्र नरेन्द्र पाण्डेय साकिनान मौजा बरगदवा तप्पा डेबरूआ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर
प्रार्थी/प्रार्थीगण
बनाम
इस्टेट

तारीख पेशी– 27.11.2026

प्र0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने बड़े मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि आवेदकगण ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 11 के 27 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान प्रथम अपर सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–19/2002
मोहम्मद अख्तर आदि बनाम नगर पालिका परिषद बस्ती आदि

1 नगर पालिका परिषद बस्ती द्वारा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बस्ती 2. अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–11–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्लई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर

पत्रांक 1803/न0पा0परिशि0प्र0/2026–27 दिनांक:–06.11.2026

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

सर्वसम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर में राज्य वित्त आयोग अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पालिका सीमान्तर्गत कराये जाने वाले निर्माण कार्यो हेतु ई–निविदा प्रतिशत दर पर आमंत्रित किया जाता है। निविदा प्रपत्र आन लाइन उपलब्ध है, जो आन लाइन http://etender.up.nic.in पर ही डाउनलोड व अपलोड किया जायेगा, जिसका विवरण निम्नवत् है–

A	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशित की तिथि	09/11/2026
B	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि	09/11/2026 अपराहन:11:00 बजे से
C	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	19/11/2026 अपराहन:04:00 बजे तक।
D	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	20/11/2026 प्रातः 11:00 बजे
E	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय	21/11/2026 प्रातः 11:00 बजे
F	ई–निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर।

उक्त निर्माण कार्य से सम्बन्धित अधिक जानकारी http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है तथा उक्त निविदा के बारे में कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर नोटिस बोर्ड पर चस्पा निविदा सूचना से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया कामप्लेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेलbhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com